



|| श्री गणेशाय नमः ||

राशिफल

ankita yadav

20/11/2000 06:00

Prayagraj

द्वारा उत्पन्न



पुजारी जी

बुनियादी ज्योतिषीय विवरण

बुनियादी विवरण

जन्म की तारीख	20/11/2000
जन्म का समय	06:00
जन्म स्थान	Prayagraj
अक्षांश	25.4358011
देशान्तर	81.846311
समय क्षेत्र	5.5
अयनांश	23.874039086333333
सूर्योदय	06:29:00
सूर्यास्त	17:08:59

घटक चक्र

महीना	शनि
तिथि	3 (तृतीया), 8 (अष्टमी), 13 (त्रयोदशी)
विपरीत लिंग लग्न	कैंसर
नक्षत्र	मुला
भगवान	मंगल
समलिंगी लग्न	मकर
Tatva	अग्नि
रासी	मकर

पंचांग विवरण

तिथि	एकादशी
योग	वैधृति
नक्षत्र	पूर्वाफाल्गुनी
करण	विष्णु

ज्योतिषीय विवरण

वर्ण	क्षत्रिय
वास्या	वंचरा
योनि	चूहा
तिथि	कृ.नवमी
नक्षत्राधिपति	शुक्र
नक्षत्र	पूर्वाफाल्गुनी
प्रबल	तुला
Tatva	अग्नि
करण	वनिजा
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
दलदल	सोना
नाम वर्णमाला	मो
रासी	सिंह
नाड़ी	पित्त

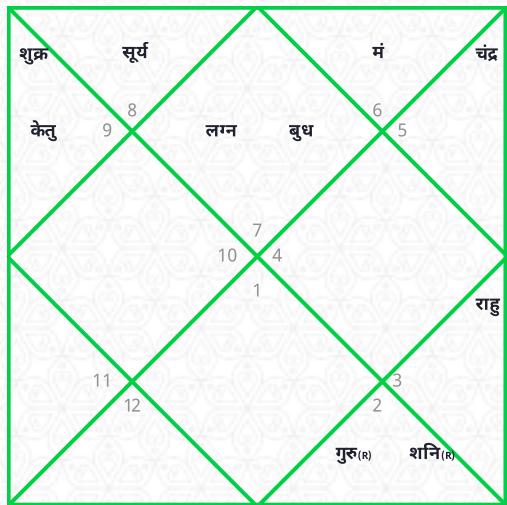
ग्रहों की स्थिति

ग्रहों	आर	संकेत	डिग्री	साइन लॉर्ड	नक्षत्र	नक्षत्राधिपति	घर
लग्नश	तुला	208.18512567253947	शुक्र	विशाखा(3)	बृहस्पति	1	
सूर्य	वृश्चिक	214.12316360737717	मंगल	अनुराधा(1)	शनि	2	
चंद्रमा	सिंह	141.84780970295284	सूर्य	पूर्वाफाल्युनी(3)	शुक्र	11	
मंगल	कन्या	165.91736922131514	बुध	हस्ता(2)	चंद्रमा	12	
बुध	तुला	195.75088920650367	शुक्र	स्वाति(3)	राहु	1	
बृहस्पति	वृषभ	43.372669808074285	शुक्र	रोहिणी(2)	चंद्रमा	8	
शुक्र	धनु	254.43064974902563	बृहस्पति	पूर्वाषाढ़(1)	शुक्र	3	
शनि	वृषभ	33.57745200583729	शुक्र	कृतिका(3)	सूर्य	8	
राहु	मिथुन	84.06412021166003	बुध	पुनरवसु(2)	बृहस्पति	9	
केतु	धनु	264.06412021166	बृहस्पति	पूर्वाषाढ़(4)	शुक्र	3	

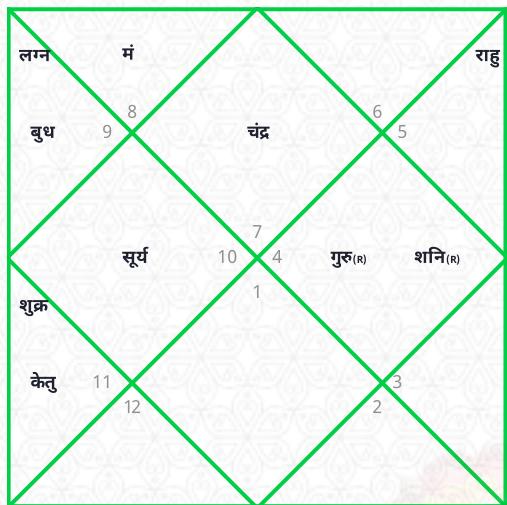
 सूर्य वृश्चिक अनुराधा(1) नुकसानदायक	 चंद्रमा सिंह पूर्वाफाल्युनी(3) तटस्थ	 मंगल कन्या हस्ता(2) मारक
 शनि वृषभ कृतिका(3) अत्यधिक लाभकारी	 बृहस्पति वृषभ रोहिणी(2) नुकसानदायक	 शुक्र धनु पूर्वाषाढ़(1) लाभकारी
 राहु मिथुन पुनरवसु(2) योगकारक	 केतु धनु पूर्वाषाढ़(4) अशुभ	

राशिफल चार्ट

लग्न कुंडली (जन्म कुंडली)

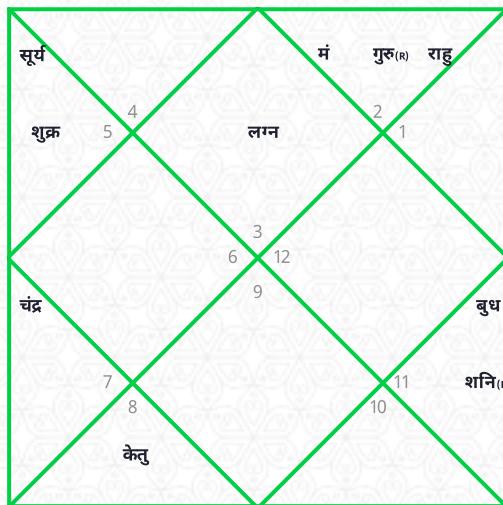


लग्न या लग्न, उस राशि की डिग्री है जो जन्म के समय पूर्वी क्षितिज पर उदित हो रही है। लग्न जन्म कुंडली में सबसे प्रभावशाली और महत्वपूर्ण राशि है। इस राशि को कुंडली का पहला घर माना जाएगा और अन्य घरों की गणना राशि चक्र की बाकी राशियों के अनुसार क्रम से की जाएगी। इस प्रकार, लग्न न केवल उदीयमान चिन्ह को चित्रित करता है, बल्कि चार्ट के अन्य सभी घरों को भी चित्रित करता है।



चंद्र कुंडली

चंद्र चार्ट भविष्यवाणी का एक महत्वपूर्ण उपकरण है और ग्रह संयोजनों के परिणाम तब अधिक प्रमुख होते हैं जब योग या कुछ संयोजन चंद्रमा और लग्न चार्ट दोनों में होते हैं।



नवमांश चार्ट(D9)

नवमांश चार्ट सबसे महत्वपूर्ण मंडल चार्ट है, नवमांश का अर्थ है एक विशेष राशि के नौ भाग जिसमें प्रत्येक अम्सा में 3 डिग्री और 20 मिनट होते हैं।

समग्र मैत्री तालिका

स्थायी मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	दोस्त	--	तटस्थ	दोस्त	दुश्मन	--
चंद्रमा	दोस्त	--	--	दोस्त	तटस्थ	तटस्थ	--
मंगल ग्रह	दोस्त	दोस्त	--	दुश्मन	दोस्त	तटस्थ	--
बुध	दोस्त	दुश्मन	--	--	तटस्थ	दोस्त	--
बृहस्पति	दोस्त	दोस्त	--	दुश्मन	--	दुश्मन	--
शुक्र	दुश्मन	दुश्मन	--	दोस्त	तटस्थ	--	--
शनि ग्रह	दुश्मन	दुश्मन	--	दोस्त	तटस्थ	दोस्त	--

अस्थायी मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	दोस्त	--	दोस्त	दुश्मन	दोस्त	--
चंद्रमा	दोस्त	--	--	दोस्त	दोस्त	दुश्मन	--
मंगल ग्रह	दोस्त	दोस्त	--	दोस्त	दुश्मन	दोस्त	--
बुध	दोस्त	दोस्त	--	--	दुश्मन	दोस्त	--
बृहस्पति	दुश्मन	दोस्त	--	दुश्मन	--	दुश्मन	--
शुक्र	दोस्त	दुश्मन	--	दोस्त	दुश्मन	--	--
शनि ग्रह	दुश्मन	दोस्त	--	दुश्मन	दुश्मन	दुश्मन	--

समग्र मैत्री तालिका

पांच प्रकार की मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	अंतरंग	--	दोस्त	तटस्थ	तटस्थ	--
चंद्रमा	अंतरंग	--	--	अंतरंग	दोस्त	दुश्मन	--
मंगल ग्रह	अंतरंग	अंतरंग	--	तटस्थ	तटस्थ	दोस्त	--
बुध	अंतरंग	तटस्थ	--	--	दुश्मन	अंतरंग	--
बृहस्पति	तटस्थ	अंतरंग	--	कट्टर दुश्मन	--	कट्टर दुश्मन	--
शुक्र	तटस्थ	कट्टर दुश्मन	--	अंतरंग	दुश्मन	--	--
शनि ग्रह	कट्टर दुश्मन	तटस्थ	--	तटस्थ	दुश्मन	तटस्थ	--

विंशोत्तरी दशा - 1

शुक्र		सूर्य		चंद्रमा	
शुक्र जून 21 1991	शुक्र फरवरी 15 2008	बुद्ध जून 04 2008	शनि फरवरी 15 2014	मंगल दिसंबर 16 2014	बुद्ध फरवरी 14 2024
शुक्र जून 21 1991		सूर्य जून 04 2008		चंद्रमा दिसंबर 16 2014	
सूर्य जून 20 1992		चंद्रमा दिसंबर 04 2008		मंगल जुलाई 17 2015	
चंद्रमा फरवरी 18 1994		मंगल अप्रैल 11 2009		राहु जनवरी 15 2017	
मंगल अप्रैल 20 1995		राहु मार्च 06 2010		बृहस्पति मई 17 2018	
राहु अप्रैल 19 1998		बृहस्पति दिसंबर 23 2010		शनि दिसंबर 16 2019	
बृहस्पति दिसंबर 17 2000		शनि दिसंबर 05 2011		बुध मई 16 2021	
शनि फरवरी 16 2004		बुध अक्टूबर 10 2012		केतु दिसंबर 15 2021	
बुध दिसंबर 16 2006		केतु फरवरी 15 2013		शुक्र अगस्त 15 2023	
केतु फरवरी 15 2008		शुक्र फरवरी 15 2014		सूर्य फरवरी 14 2024	

मंगल		राहु		बृहस्पति	
शुक्र जुलाई 12 2024	गुरु फरवरी 13 2031	बुद्ध अक्टूबर 26 2033	मंगल फरवरी 09 2049	गुरु मार्च 30 2051	शुक्र फरवरी 06 2065
मंगल जुलाई 12 2024		राहु अक्टूबर 26 2033		बृहस्पति मार्च 30 2051	
राहु जुलाई 30 2025		बृहस्पति मार्च 20 2036		शनि अक्टूबर 10 2053	
बृहस्पति जुलाई 06 2026		शनि जनवरी 24 2039		बुध जनवरी 15 2056	
शनि अगस्त 15 2027		बुध अगस्त 12 2041		केतु दिसंबर 21 2056	
बुध अगस्त 11 2028		केतु अगस्त 30 2042		शुक्र अगस्त 21 2059	
केतु जनवरी 07 2029		शुक्र अगस्त 29 2045		सूर्य जून 08 2060	
शुक्र मार्च 09 2030		सूर्य जुलाई 24 2046		चंद्रमा अक्टूबर 08 2061	
सूर्य जुलाई 15 2030		चंद्रमा जनवरी 23 2048		मंगल सितंबर 14 2062	
चंद्रमा फरवरी 13 2031		मंगल फरवरी 09 2049		राहु फरवरी 06 2065	

विंशोत्तरी दशा - 2

शनि		बुध		केतु	
गुरु फरवरी 09 2068		सोम जुलाई 01 2086		सोम जून 27 2101	
गुरु फरवरी 03 2084		शनि जनवरी 29 2101		रवि जनवरी 29 2108	
शनि	फरवरी 09 2068	बुध	जुलाई 01 2086	केतु	जून 27 2101
बुध	अक्टूबर 18 2070	केतु	जून 28 2087	शुक्र	अगस्त 27 2102
केतु	नवंबर 27 2071	शुक्र	अप्रैल 27 2090	सूर्य	जनवरी 02 2103
शुक्र	जनवरी 26 2075	सूर्य	मार्च 03 2091	चंद्रमा	अगस्त 03 2103
सूर्य	जनवरी 08 2076	चंद्रमा	अगस्त 01 2092	मंगल	दिसंबर 30 2103
चंद्रमा	अगस्त 08 2077	मंगल	जुलाई 29 2093	राहु	जनवरी 16 2105
मंगल	सितंबर 17 2078	राहु	फरवरी 15 2096	बृहस्पति	दिसंबर 23 2105
राहु	जुलाई 23 2081	बृहस्पति	मई 22 2098	शनि	फरवरी 01 2107
बृहस्पति	फरवरी 03 2084	शनि	जनवरी 29 2101	बुध	जनवरी 29 2108

वर्तमान चल रही दशा

दशा नाम	ग्रहों	आरंभ करने की तिथि	अंतिम तिथि
महादशा	मंगल	मंगल फरवरी 20 2024 रात 12:00 बजे	गुरु फरवरी 20 2031 रात 12:00 बजे
अंतर्दशा	राहु	गुरु जुलाई 18 2024 बहुत सवेरे 3:48 बजे	मंगल अगस्त 05 2025 शाम 5:00 बजे
पर्यातर्दशा	राहु	गुरु जुलाई 18 2024 बहुत सवेरे 3:48 बजे	शुक्र सितंबर 13 2024 दोपहर 4:34 बजे
शुक्रशमदाशा	राहु	गुरु जुलाई 18 2024 बहुत सवेरे 3:48 बजे	शुक्र जुलाई 26 2024 शाम 6:55 बजे
प्रणादशा	शनि	शनि जुलाई 20 2024 दोपहर 2:28 बजे	रवि जुलाई 21 2024 रात 11:16 बजे

* नोट: सभी तिथियां दशा की समाप्ति तिथि दर्शाती हैं।

लग्न रिपोर्ट



लग्न रिपोर्ट : तुला

विशेषताएँ	जंगम, हवादार, पश्चिम
भाग्यशाली रूप	डायमंड
भगवान्	शुक्र
प्रतीक	तराजू
उपवास का दिन	शुक्रवार

|ॐ अश्वधजाय विश्वे धनुर् हस्ताय धीमहि तत्रो शुक्रः प्रचोदयात् ।।

तुला लग्न होने के कारण, आप स्वभाव से बहुत संतुलित हैं और अपने शांत स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। आप चिड़चिड़े, शांत, प्रतिभाशाली, सहज और तर्क, दूरदर्शिता और न्याय में उत्कृष्ट हो सकते हैं। आप कूटनीतिक बने रहेंगे और संभाल लेंगे। आसानी से बातचीत। आप विलासित से प्यार करेंगे, अच्छे संयोजन के साथ आपको इस पर सम्मानित किया जाएगा। प्रतिकूल संयोजनों के साथ आप उग्र, ईर्ष्यालु होंगे और आपके पास जो भी धन है उसे खो सकते हैं। आपको बच्चे होने में देरी होगी या परेशानी होगी वाले।

संतुलन और सद्ग्राव की आपकी अंतर्निहित भावना आपको जीवन के सभी पहलुओं में निष्पक्षता और सुंदरता की तलाश करने के लिए प्रेरित करती है। आप सामाजिक संबंधों को महत्व देते हैं।

जबसे भगवन लग्नेश 3 गृह मे है। आप महान कामुकता से संपन्न होंगे जो आपके लिए एक संपत्ति साबित होगी। आप चुलबुले हो सकते हैं और प्रतिबद्धता से डरेंगे। हालांकि, सही व्यक्ति के साथ, आपका एक अच्छा रिश्ता होगा। आप होंगे विशेष रूप से लिखित रूप में उपहार में दिया गया।

लग्न रिपोर्ट

आध्यात्मिक सलाह

ध्यान और चिंतन के माध्यम से आंतरिक संतुलन विकसित करें। सुंदरता के प्रति आपका प्रेम आपको ईश्वर की सराहना की ओर ले जाए।

सकारात्मक लक्षण

कूटनीतिक

आकर्षक

सामाजिक

कलात्मक

नकारात्मक लक्षण

अनिर्णयिक

लोगों को प्रसन्न करने वाला

भोगवादी

सतही



धन्यवाद



पुजारी जी

किसी भी प्रश्न के लिए कृपया संपर्क करें